जंजीरां मुसाफ की

जंजीरां मुसाफ की, मोतियों में परोइए जब।
जिनसें जिनस मिलाइए, पाइए मगज माएने तब।।

देऊं हरफ हरफ की आयतें, जो हादिऐं खोले द्वार।
सब सिफत खास गिरोह की, लिखी बिध बिध बेसुमार।।

कलाम अल्ला की इसारतें खोल दैयां खसम।
महामत पर मेहेर मेहेबूबें, करी ईसे के इलम।।

ब्रह्मसृष्ट वेद पुरान में, कही सो ब्रह्म समान।
कई विध की बुजरकियां, देखो साहेदी कुरान।।

कहे छत्ता मगज मुसाफ के, जिनस जंजीरां जोर।
सब सिफत खास गिरोह की, ए समझे एही मरोर।।